भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

# सेवा संवाद

वर्ष-17 अंक-12 | वि. स. 2078 | युगाब्द 5123 | फरवरी-2022 | डिजिटल संस्करण

**मार्गदर्शक :**
- डॉ. कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेवशर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबंध न्यासी

**सम्पादक :**
- डॉ शिवभूषण त्रिपाठी

**सह-सम्पादक :**
- राजेश

**मुद्रक एवं प्रकाशक :**
- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

**प्रबंधक :**
- विजय अग्रवाल

**केन्द्रीय कार्यालय :**
**भाऊराव देवरस सेवा न्यास**
सी-91, निराला नगर,
लखनऊ, उ.प्र.-226020
दूरभाष: 0522-4001837,
0522-2789406
मो: 9450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web : www.bhaoraonyas.org

**दिल्ली कार्यालय :**
E-mail: bdsnyas.dl@gmail.com
मो : 9811068375

**आलोक:** प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

संरक्षक सहयोग राशि : रु 5000/-

सदस्यता शुल्क : संरक्षक : रु. 5000/- आजीवन : रु. 2000/-

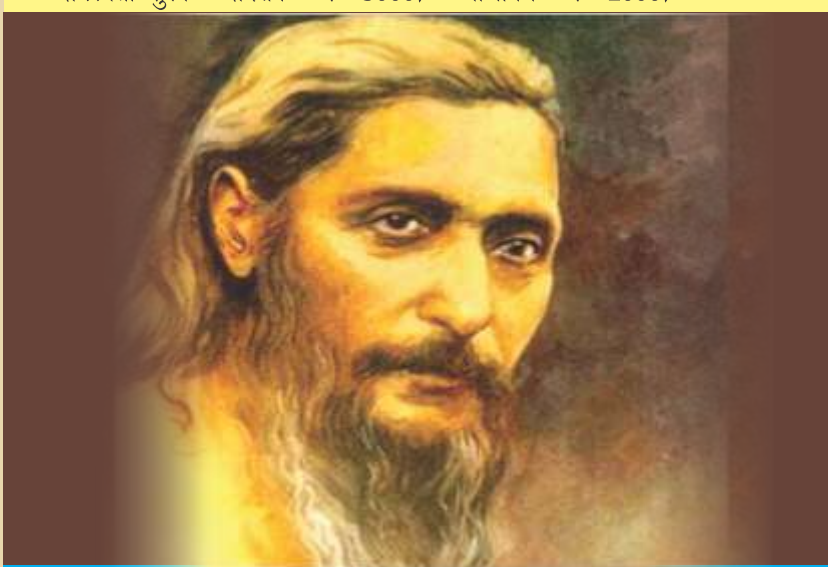

जन्म - 21 फरवरी 1896 निधन - 15 अक्टूबर 1961

## सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

ज्योति पुन्ज निर्मल हृदय, व्यापक सहज उदार।
निरभिमान निश्छल परम, काव्यरूप अवतार।।
वीणा वादिनि के वरदपुत्र, भारत के गौरव मान।
महाप्राण हे! दिव्य चिरन्तन, धरती के लाल महान।
सूर्यकान्त कवि श्रेष्ठ निराला, तुमको नमन प्रणाम।।

-शिव

**सेवा संवाद के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य**

आपकी पत्रिका सेवा संवाद अब डिजिटल रूप में प्रकाशित करने का निर्णय न्यास द्वारा किया गया है। आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी –bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें।

**पाठकों की कलम से -** इस कॉलम के लिए पत्रिका के विषय में या भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों से सम्बंधित आपके अनुभव व सुझाव आमंत्रित हैं। अपना नाम, पता और मोबाइल भी जरूर दें।

# भाऊराव देवरस सेवा न्यास

## सहकार निवेदन

पिछले 26 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित **कार्पस फण्ड** से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु कार्पस फण्ड भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

**न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-**

1. सचल चिकित्सा सेवा - रु. 11,000 की मासिक धनराशि का सहयोग करके एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. नेत्र चिकित्सा सेवा - रु. 5000 की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. विकलांग सहायता सेवा - रु. 1,000 से 6,000 तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)- रु. 10,000 से अधिक की धनराशि का अर्पण करके न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. छात्रवृत्ति- न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक : रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.) : रु 5,000, हाईस्कूल : रु 7,000, इण्टरमीडिएट : रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक : रु 10,000, परास्नातक : रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु : रु 15,000, इंजीनियरिंग : रु 18,000 और मेडिकल : रु 20,000।
6. सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक पत्रिका) - रु. 1,200 की आजीवन सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. सेवा संवाद (मासिक) - रू. 2,000 की आजीवन एवं रु. 5,000 की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना।
8. माधव सेवा आश्रम - रु. 5,00,000 का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. विश्राम सदन दिल्ली - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु. 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. देवभूमि ऋषिकेश में प्रस्तावित माधव सेवा विश्राम सदन के भवन निर्माण हेतू अधिकाधिक सहयोग अपेक्षित है।
11. अक्षय सेवा - दिल्ली में एम्स एवं दो अन्य अस्पतालों के निकट दोपहर में होने वाले भोजन वितरण के लिए रु. 6,000 (प्रतिदिन/प्रति अस्पताल) की सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक दिनों के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
12. CSR फंड - यदि आपकी फर्म CSR में भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें। दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं :

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो, **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेजें।
- अप्रवासी भारतीय भी FCRA के अन्तर्गत दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं., फोन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 6806100009948 (IFSC : BKID0006806)
  - भारतीय स्टेट बैंक, डालीगंज, लखनऊ - खाता सं. 30448433657 (IFSC : SBIN0003813)
  - बैंक ऑफ इण्डिया, पटपड़गंज, नई दिल्ली - खाता सं. 605810110013350 (IFSC : BKID0006058)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

# अपनी बात

सरसों के खिले फूल एवं पक्षियों की चहचहाहट जहाँ वसन्त आगमन का पूर्वाभास कराते हैं वहीं मादकता भरी उल्लास पूर्ण वासन्ती बयार रंगभरी होली के आगमन का पुष्ट संकेत देते हैं। सरसों और आम के साथ कटहल, महुआ, जामुन आदि अनेक प्रकार के फलों के फूल एक साथ खिलकर सम्पूर्ण वातावरण को ही मादक बना रहे होते हैं। वृक्षों में पुरानी पत्तियों के स्थान पर उगी नई-नई चमकती कोपलें नव सृजन का तो सन्देश देती ही हैं, साथ ही वृक्षों के चोला बदलने की प्रक्रिया की ओर भी इंगित करती हैं।ऐसे में फाग के एक दिन पूर्व पूर्णिमा की ज्योत्सना के साक्ष्य में होलिका के रूप में दुर्विचारों के दहन का बरबस ही स्मरण हो आता है। समाज के माध्यम से प्रकृति कृत विभिन्नता में भी एकता एवं सद्भाव के दर्शन का इस रंग क्रीड़ा की परम्परा का प्रयास मनुष्य की सद् प्रवृत्तियों को उजागर करता है। कितना रोमांचक है फाग का प्रचलन जिसमें व्यक्ति एक दूसरे को रंग गुलाल से इतना विकृत बना देते हैं कि उन्हें पहली नज़र में अनायास ही पहचाना नहीं जा सकता, भले ही वे एक दूसरे से भली-भाँति परिचित ही क्यों न हों। व्यक्ति के अपने-अपने रंग रूप, वस्त्राभरण एवं उनकी सामाजिक भिन्नताएँ सब एक साथ उन रंगों में छुप जाते हैं। उनका अहंकार भी काफूर हो जाता है। रंग क्रीड़ा के कुछ देर बाद ही अपने-अपने स्तर के वस्त्रों एवं प्रसाधनों से सज्जित होकर सब अमीर-गरीब पढ़े-बेपढ़े, स्वामी- सेवक अपनी अपनी इन अनुभूतियों को भूलकर परस्पर गले मिलते हैं। एक दूसरे के घर जाकर घर के बने पकवानों को प्रेम से ग्रहण करने का यह दौर इस भाव से कुछ दिन तक चलता रहता है कि कहीं कोई मिलने से छूट न जाए।कुल मिलाकर देखें तो वसन्त में प्रकृति और काल की गल बहियां हैं, प्रकृति के अंग-अंग को उमंग का सुख केवल आँख के देखने की वस्तु नहीं रह जाता है ध्वनियाँ भी दिखने लगती है और गंध भी सुनाई देती है।आम्र कुञ्ज ही नहीं महकते, वन उपवन ही गंध मादन नहीं बनते बल्कि वायु भी गीत गाते-नाचते, सनसनाते हुए बहने लगती है। वसन्त में प्रकृति की तरुणाई है, परिपूर्णता है, प्रतिपल मधु उत्सव है और प्रतिपल मंगल गीत है। यह आत्मा की उदासीनता को धोकर उसमें मस्ती भरी भाषा का आविष्कार करती है। वसन्त के समय चन्द्रमा की दुग्ध स्निग्ध ज्योत्सना पक्षियों का कलकूजन, कोयल की कुहू कुहू, सुमनों का सौरभ सभी सहज में आह्लादकारी लगते हैं। माघ शुक्ल पंचमी से ऐसी रसधार बह निकलती है जिसमें संगीत, साहित्य,भांति-भांति की मनोरम कलाएँ अवगाहन करती हैं। प्रत्येक पुष्प, प्रत्येक पत्ती कविता पाठ करने लगती हैं।ऐसे ही सुरम्य वातावरण में वसंत पंचमी के दिन हिंदी के महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ने जन्म लिया था। हिंदी साहित्य में छायावाद के प्रमुख कवि के रूप में आज भी उनकी प्रतिष्ठा है।

कहते हैं कि इस धरा पर सर्वश्रेष्ठ कार्य निःस्वार्थ सेवा है। यह सेवा ही हमें दिव्य बनायेगी। स्वामी शिवानन्द जी का कथन है कि सेवा करना दिव्य जीवन है। निःस्वार्थ सेवा करना भगवान् में शाश्वत जीवन व्यतीत करना है। स्वार्थ एवं आसक्ति रहित सेवा वैश्विक चेतना का अनुभव प्रदान करेगी। एक वैश्विक चेतना ही समस्त प्राणियों के हृदय में वास करती है। वैराग्य, पवित्रता, धारणा एवं ध्यान द्वारा इसका अनुभव करें। सर्वभूतहितेरताः अर्थात सबके कल्याण हेतु कार्य करने के लिए सदैव तत्पर रहें। इस दिव्य भावना के साथ हम सभी श्रेष्ठ जीवन जिएं। यह वसंत ऋतु सबके लिए मंगलप्रद हो इन्हीं सद्भावनाओं के साथ यह अंक आपको समर्पित है।

-शिव

# अक्षय सेवा प्रकल्प - दिल्ली

गत 30 जनवरी को अपने जन्मदिवस के शुभ अवसर पर अवनि गुप्ता ने परिवार सहित आकर सफदरजंग अस्पताल के निकट होने वाले भोजन वितरण में भाग लिया। अपने हाथों से जरूरतमंदों को भोजन वितरण कर अपना जन्मदिन मनाने का यह अनूठा प्रकार सभी के लिए एक अच्छा उदाहरण बनेगा और अन्य बच्चों को भी प्रेरणा देगा।

भोजन वितरण के पश्चात अवनि और उसका परिवार विश्राम सदन में

अवनि गुप्ता द्वारा अपने जन्मदिवस के शुभ अवसर पर परिवार सहित भोजन वितरण

भोजन वितरण के पश्चात अवनि और उसका परिवार विश्राम सदन भी देखने गए और वहां पर रहने वाले रोगियों और उनके सहायकों से वहां की व्यवस्था की जानकारी ली।

## दिल्ली में विश्राम सदन में

दिल्ली में विश्राम सदन में आने वाले रोगियों व उनके सहायकों की सुविधा के लिए एक छोटी सी दुकान की व्यवस्था की गई है जहां से नित्य उपयोग में आने वाली छोटी छोटी वस्तुएं उपलब्ध रहती हैं। उस दुकान के संचालक श्री कमल जी के विवाह की प्रथम वर्षगाँठ के शुभ अवसर पर 1 जनवरी को उनकी ओर से दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई जिसमें सदन में रह रहे सभी लोगों ने आनंद से भाग लिया और श्री कमल जी को शुभकामनाएं दीं।

# महामना शिक्षण संस्थान - बालिका प्रकल्प

भाऊराव देवरस न्यास द्वारा संचालित महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प धीरे धीरे अपने दो वर्ष पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ साथ हमारा प्रकल्प बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए भी प्रयासरत रहता है। पाक्षिक व्यक्तित्व विकास श्रंखलाओं में बालिकाओं के लिए विविध तरह के आयोजन होते रहते हैं। इन्हीं श्रृंखलाओं की कड़ी में दिनांक 9.01.22 का सत्र 'Health & Wellness' विषय पर आयोजित था, जिसमें छात्राओं को डॉ. सविता सिंह, जो कि Dental Surgeon होने के साथ साथ Health & Wellness Coach भी हैं, का मार्गदर्शन प्राप्त करने का सुअवसर मिला। डॉ. सविता ने बहुत ही सरल भाषा में अत्यंत रोचक तरीके से Health की सही परिभाषा बताने के साथ साथ अपने Attitude पर Focus करते हुए 'Do what you love and love what you do' को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाने की सलाह दी।

इस बार पहली बार हमारी बालिकाएं कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं में सम्मिलित होने के साथ साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सम्मिलित होंगी। अतः 14.01.22 को Revision & Test Strategy के बारे में विस्तार से चर्चा हेतु बालिकाओं के लिए एक मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें उन्हें परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें, इस बारे में समझाया गया।

दिनांक 23.01.22 को नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती और आगामी गणतंत्र दिवस समारोह का आनलाइन आयोजन किया गया जिसमें दोनों बैच की बालिकाओं ने कविता पाठ आदि के रूप में बहुत ही सुन्दर प्रस्तुतियां दीं।

# महामना शिक्षण संस्थान

- ★ एकेटीयू के कुलपति प्रोफेसर पीके मिश्रा का स्वागत समारोह दिनांक 15 जनवरी 2022 को संपन्न हुआ।
- ★ 8 जनवरी 2022 को महामना शिक्षण संस्थान कोर कमेटी की बैठक संपन्न हुई जिसमें सह प्रांत प्रचारक माननीय मनोज जी भी उपस्थित रहे।
- ★ 9 जनवरी 2022 को प्रकल्प के सचिव श्रीमान रंजीव तिवारी जी के द्वारा सभी बच्चों को जैकेट प्रदान किया गया।
- ★ 17 फ़रवरी को प्रातः 8:00 बजे सुंदरकांड के पाठ का आयोजन हुआ
- ★ 19 फ़रवरी को माघी पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आयुष मिश्रा आदर्श मिश्रा आईआईटी के पूर्व छात्र द्वारा संस्थान के वर्तमान में तैयारी कर रहे बच्चों का मार्गदर्शन किया गया।

## संस्कार

श्री टी.एन. शेषन जब मुख्य चुनाव आयुक्त थे तो परिवार के साथ छुट्टियाँ बिताने के लिए मसूरी जा रहे थे। परिवार के साथ उत्तर प्रदेश से निकलते हुए रास्ते में उन्होंने देखा कि पेड़ों पर गौरैया के कई सुन्दर घोंसले बने हुए हैं।यह देखते हीउनकी पत्नी ने अपने घर की दीवारों को सजाने के लिए गौरैया के दो घोंसले लेने की इच्छा व्यक्त की। उनके साथ चल रहे पुलिसकर्मियों ने तुरंत एक छोटे से बालक को बुलायाजो वहां मवेशियों को चरा रहा था और उसे पेड़ों से दो गौरैया के घोंसले लाने के लिए कहा। उस बालक ने साफ़ मना करते हुए इंकार में सर हिला दिया। श्री शेषन जी ने इसके लिए उस बालक को 10 रुपये देने की पेशकश की। फिर भी उस बालक द्वारा मना करने पर श्री शेषन ने बढ़ा कर 50 रूपए देने की पेशकश की। फिर भी बालक ने हामी नहीं भरी। पुलिस ने तब उस लड़के को धमकी दी और उसे बताया कि साहब ज़ज हैं और उसे जेल में भी डलवा सकते हैं। उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। लड़का तब श्रीमती और श्री शेषन के पास गया और कहा, "साहब, मैं ऐसा नहीं कर सकता। उन घोंसलों में गौरैया के छोटे-छोटे बच्चे हैं। अगर मैं आपको दो घोंसले दूंगा तो वह बच्चे मर जाएंगे। साथ ही जो गौरैया अपने बच्चों के लिए भोजन की तलाश में बाहर गई हुई है, जब वह वापस आएगी और बच्चों को नहीं देखेगी तो बहुत दुःखी होगी। इस बुरे काम का पाप मैं नहीं ले सकता।" यह सुनकर श्री टी.एन. शेषन दंग रह गए।

श्री शेषन ने अपनी आत्मकथा में लिखा है- "मेरी स्थिति, शक्ति और आईएएस की डिग्री सिर्फ उस छोटे, अनपढ़, मवेशी चराने वाले बालक द्वारा बोले गए शब्दों के सामने पिघल गई। घर लौटने के बादमुझे उस घटना के कारण अपराध बोध की गहरी भावना का सामना करना पड़ा।"

जरूरी नहीं कि किताबी शिक्षा और महंगे कपड़े मानवता की शिक्षा दे ही दें। यह आवश्यक नहीं हैं, यह तो भीतर के संस्कारों से पनपती है। दया, करूणा, दूसरों की भलाई का भाव, छल कपट न करने का भाव मनुष्य को परिवार के बुजुर्गों द्वारा दिये संस्कारों से तथा अच्छी संगत से ही आते हैं। अगर संगत बुरी है तो अच्छे गुण आने का प्रश्न ही नहीं है।

# समर्थ भारत प्रकल्प

## जनवरी 2022 की गतिधियाँ

**1. कार्यशाला - अर्बन कंपनी में रजिस्टर कैसे करें ?**

दिनांक – 24.01.2022, स्थान – न्यू अशोक नगर सेंटर, वक़्ता - विजेंदर जी

हमारे AC और रेफ्रीजरेटर का प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके, अगले बैच में प्रशिक्षण लेने वाले तथा हेयर स्टाइलिस्ट बैच में प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके प्रशिक्षार्थियों को अर्बन कंपनी में रजिस्टर करने की प्रक्रिया के बारे में श्री विजेंदर जी ने अच्छी तरह से समझाया और प्रशिक्षार्थियों के सभी प्रश्नों का उन्होंने अच्छी तरह से उत्तर भी दिया। इस कक्षा में कुल उपस्थिति 40 की रही।

**2. कस्टमर सर्विस स्किल ट्रेनिंग -**

समर्थ भारत के मयूर विहार फेस 3, कोंडली प्रशिक्षण केंद्र में चल रहे ब्यूटिशियन कोर्स के प्रशिक्षार्थियों को 31 जनवरी 2022 से एक सप्ताह के लिए हर दिन सुबह 10:30 से 11:30 बजे तक सुश्री माध्वी जी (रिटायर्ड प्रिंसिपल-गवर्नमेंट स्कूल) के द्वारा कस्टमर सर्विस स्किल का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें प्रशिक्षार्थियों को कस्टमर सर्विस के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। इस गुण को अपने अन्दर विकसित करके प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षण के उपरांत अपने व्यापारिक जीवन में अत्यधिक फायदा ले सकते हैं। साथ ही वक्ता द्वारा प्रशिक्षार्थियों के प्रश्नों का यथोचित उत्तर भी दिया गया।

**3. प्रशिक्षण केन्द्रों का विवरण –** वर्तमान में हमारे प्रशिक्षण केन्द्रों में जो प्रशिक्षण चल रहे हैं उनका विवरण निम्नवत है –

- ★ टैंक रोड केंद्र पर ब्यूटिशियन का प्रथम बैच
- ★ आनंद विहार, मनोरंजन केंद्र पर ब्यूटिशियन का प्रथम बैच
- ★ मयूर विहार, कोंडली केंद्र पर ब्यूटिशियन का द्वितीय बैच
- ★ यमुना विहार, ब्रह्मपुरी केंद्र पर ब्यूटिशियन का द्वितीय बैच

# माधव सेवा विश्राम सदन, ऋषिकेश

ऋषिकेश में एम्स के निकट प्रस्तावित माधव सेवा विश्राम सदन के लिए नक्शे को स्वीकृति के लिए सम्बंधित विभाग को भेज दिया गया है। स्वीकृति मिलते ही यहाँ पर निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जाएगा। 400 बिस्तरों की व्यवस्था वाले इस विश्राम सदन के बनने से मुख्य रूप से उत्तराखंड में पहाड़ों पर रहने वाले रोगियों को अत्यधिक लाभ होगा।

### देवभूमि ऋषिकेश में बनने वाले माधव सेवा विश्राम सदन की विशेषताएं

- ★ माधव सेवा विश्राम सदन की वास्तुशिल्प संरचना 'पारंपरिक भारतीय स्थापत्य' के आधार पर है। यहाँ आने वालों को गंगा माँ के दर्शनों का लाभ भी यहाँ हो सके, भवन निर्माण में इसका भी ध्यान रखा जाएगा।
- ★ इस भवन में 400 लोगों के ठहरने के साथ साथ भजन कीर्तन, सत्संग एवं ध्यान के लिए भी उचित स्थान की व्यवस्था रहेगी।

- ★ विश्राम सदन के साथ साथ फिसियोथेरेपी और नेचुरोपैथी केन्द्रों की स्थापना की भी योजना है ताकि केंद्र में ठहरने के लिए आने वाले रोगियों को बहुत कम शुल्क में यह व्यवस्थाएं मिल सकें और इसके लिए उन्हें बाहर ना भटकना पड़े।
- ★ सदन के विभिन्न खण्डों का उपयोग भिन्न भिन्न गतिविधियों यथा – पुस्तकालय, बैठक स्थल, स्वागत कक्ष, प्रतीक्षालय, सत्साहित्य केंद्र, सभागार, कार्यालय, रसोईघर, भोजन कक्ष, आगंतुक कक्ष, फिसियोथेरेपी इत्यादि के लिए किया जाना प्रस्तावित है।

## आपका सहकार

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संघ के द्वितीय सरसंघचालक परमपूजनीय माधव राव जी गोलवलकर की स्मृति में देवभूमि ऋषिकेश में एम्स अस्पताल के निकट माधव सेवा विश्राम सदन की स्थापना प्रस्तावित है। इस सदन का उपयोग साधु संतों, एम्स ऋषिकेश में उपचार के लिए आने वाले रोगियों व उनके सहायकों द्वारा किया जाएगा। यह कार्य आपका अपना ही है, इसे अनुभव करते हुए आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप उदार हृदय से इस सेवा प्रकल्प हेतु यथा संभव सहयोग करें। आपके द्वारा दी गई राशि 80-G के अंतर्गत छूट प्राप्त है। आप CSR फंड के अंतर्गत भी सहयोग कर सकते हैं। आपका यही सहयोग निर्मित होने वाले इस विश्राम सदन के शीघ्रातिशीघ्र साकार रूप लेने में सहायक होगा।

आपके परिवार में सुख-समृद्धि के लिए शुभकामनाएं।

**आर्थिक सहयोग के लिए आवश्यक जानकारी :**
MCA में न्यास की CSR पंजीकरण संख्या CSR00004454
80G में न्यास की पंजीकरण संख्या AAATB1049GF20217
न्यास की FCRA पंजीकरण संख्या 136550134

**भारतीय स्टेट बैंक, केंद्रीय सचिवालय, नई दिल्ली**
A/C: 40692412361
IFSC : SBIN0000625

# देवड़े नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ

न्यास द्वारा संचालित प्रकल्प देवड़े नेत्र चिकित्सालय लखनऊ में अनेक वर्षों से नेत्र चिकित्सा के कार्य कर रहा है। पहले यहाँ आने वाले नेत्र रोगियों को यदि मोतियाबिंद के ऑपरेशन की आवश्यकता होती थी तो सरकारी अस्पताल में इसकी व्यवस्था की जाती थी। पिछले वर्ष इस प्रकल्प ने अपने भवन में ही अत्याधुनिक मशीनों की व्यवस्था की है और दिसम्बर 2021 में इस पूरी व्यवस्था को प्रारम्भ कर दिया गया। पिछले 2 मास में 94 नेत्र रोगियों का मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन किया गया। धीरे धीरे यहाँ पर आने वाले नेत्र रोगियों की संख्या बढ़ रही है। आवश्यकता अनुसार रोगियों को निशुल्क चश्मा वितरण की भी व्यवस्था है। अप्रैल 2021 से 31 जनवरी तक 2209 चश्मे वितरित किए गए हैं।

# माधव सेवा आश्रम - मकर संक्रांति पर खिचड़ी भोज

विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी मकर संक्रान्ति के पावन अवसर पर, दिनांक 16 जनवरी 2022, रविवार को मध्याह्न 1:30 बजे से माधव सेवा आश्रम परिसर में (एस.जी.पी.जी.आई. के सामने) खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में गतवर्षों की भांति संघ परिवार, चिकित्सक, शिक्षक, गणमान्य नागरिकों तथा ग्रामीण क्षेत्रों से आये हुए लगभग 800 बन्धु भागिनियों की सहभागिता रही है। सामाजिक समता समरसता एक साथ बैठकर भोज का आनन्द अविस्मरणीय रहा।

इस अवसर पर विशेष लोगों में भारत सरकार के आवस एवं शहरी कार्य मंत्री माननीय कौशल किशोर, उ.प. सरकार के न्याय एवं कानून मंत्री माननीय ब्रजेश पाठक, महिला कल्याण एवं बाल विकास राज्य मंत्री माननीया स्वाति सिंह, सभापति उ.प. राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लिमिटेड माननीय वीरेन्द्र तिवारी जी एवं प्रान्त प्रचारक माननीय कौशल किशोर जी, राष्ट्रधर्म के माननीय मनोज कान्त जी, डॉ. शकुन्तला मिश्रा नेशनल रिहबिलिटेशन विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय राणा कृष्ण पाल सिंह जी, भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह जी, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एम.एल.बी भट्ट, आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्याक्ष डॉ. वी. एन सिंह आदि उपस्थित रहें।

# पॉवर ग्रिड विश्राम सदन, एम्स नई दिल्ली

## श्री गोबिंद राम चौधरी जी का प्रवास

इस विश्राम सदन की शुरुआत से ही दो समय चाय बिस्कुट का निशुल्क वितरण किया जा रहा है। इसमें बिस्कुट की व्यवस्था सुप्रसिद्ध अनमोल बिस्कुट की ओर से की जाती है। कोरोना काल में लॉक डाउन के समय अतिरिक्त वितरण के लिए भी व्यवस्था कंपनी की ओर से की गई थी।

6 जनवरी को सदन के सौभाग्य से अनमोल बिस्कुट के मालिक श्री गोविन्द राम चौधरी जी का आगमन सदन में हुआ। सदन के व्यवस्थापक श्री प्रमोद जी ने उनका स्वागत किया और उन्हें सदन का भ्रमण कराया। इस समय चौधरी जी ने यहाँ रह रहे रोगियों और उनके सहायकों का हाल चाल जाना और सदन की व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली।

अनमोल बिस्किट के श्री गोविन्द राम चौधरी जी का स्वागत करते हुए विश्राम सदन के व्यवस्थापक श्री प्रमोद कुमार

श्री चौधरी जी का तिलक लगाकर स्वागत

विश्राम सदन का अवलोकन

विश्राम सदन के निवासियों का हालचाल लेते श्री चौधरी जी

# पावन स्मृति - फरवरी

पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा की और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्य समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया,अपने बहुआयामी कार्यों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं ऐसे उन सभी दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन समर्पित हैं

| दिनांक | दिवस | महापुरूष/घटना का नाम |
|---|---|---|
| 2 फरवरी | जन्म-दिवस | हिंदुस्तान समाचार पत्र के संस्थापक: दादासाहब आप्टे |
| 4 फरवरी | बलिदान -दिवस | धर्मवीर हकीकतराय |
| 7 फरवरी | पुण्य-तिथि | करपात्री जी महाराज |
| 16 फरवरी | जन्म-दिवस | महाप्राण: सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला |
| 19 फरवरी | जन्म-दिवस | प. पू. गुरु जी |
| 19 फरवरी | जन्म-दिवस | वीर शिवाजी |
| 20 फरवरी | जन्म-दिवस | महात्मा ज्योतिबा फुले |
| 20 फरवरी | जन्म-दिवस | हिमालय पुत्र: डॉ. नित्यानंद |
| 26 फरवरी | पुण्य-तिथि | हिंदी, हिन्दू और हिंदुस्तान के प्रेमी वीर सावरकर |
| 27 फरवरी | बलिदान -दिवस | चंद्रशेखर आज़ाद |

## चन्द्रशेखर 'आजाद

**(23 जुलाई 1906 - 27 फ़रवरी 1931)**

चंद्रशेखर आजाद भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के एक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी थे। वे शहीद रामप्रसाद बिस्मिल व शहीद भगत सिंह सरीखे क्रान्तिकारियों के अनन्यतम साथियों में से थे।

उनका जन्म भाबरा गाँव में (अब चन्द्रशेखर आजाद नगर) में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। आजाद के पिता का नाम पण्डित सीताराम तिवारी और उनकी माँ का नाम श्रीमती जगरानी देवी था। आजाद का प्रारम्भिक जीवन आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में स्थित भाबरा गाँव में बीता। अतएव बचपन में आजाद ने भील बालकों के साथ खूब धनुष-बाण चलाये। इस प्रकार उन्होंने निशानेबाजी बचपन में ही सीख ली थी। बड़े होने पर पिस्टल से उनका निशाना अचूक था। चन्द्रशेखर आज़ाद का मन देश को आज़ाद कराने के लिए सशस्त्र क्रान्ति की ओर मुड़ गया।

सन् 1922 में वे क्रान्तिकारी गतिविधियों से जुड़कर हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य बन गये। प. रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में पहले 9 अगस्त 1925 को काकोरी काण्ड को सफलता पूर्वक किया और फरार हो गये। 1927 में उन्होंने हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन का गठन किया। भगत सिंह के साथ मिलकर लाहौर में लाला लाजपत राय की मौत का बदला सॉण्डर्स की हत्या करके लिया। दिल्ली पहुँचकर असेम्बली बम काण्ड को अंजाम दिया। उनके एक साथी वीरभद्र तिवारी ने आजाद की मुखबिरी की थी। इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में अपने एक मित्र सुखदेव राज से मन्त्रणा कर ही रहे थे तभी CID का SSP नॉट बाबर जीप से वहाँ आ पहुँचा। उसके पीछे-पीछे भारी संख्या में पुलिस भी आ गयी। दोनों ओर से हुई भयंकर गोलीबारी में आजाद ने तीन पुलिस कर्मियों को मौत के घाट उतार दिया और कई अंग्रेज़ सैनिक घायल हो गए। अंत में जब उनकी बंदूक में एक ही गोली बची तो वो उन्होंने खुद को मार ली और वीरगति को प्राप्त हो गए। यह दुखद घटना 27 फ़रवरी 1931 के दिन घटित हुई और वे हमेशा के लिये अमर हो गए।

## वीर हकीकत राय

पंजाब के सियाल कोट में सन् 1719 में जन्मे वीर हकीकत राय जन्म से ही कुशाग्र बुद्धि के बालक थे। यह बालक 4-5 वर्ष की आयु में ही इतिहास तथा संस्कृत आदि विषय का पर्याप्त अध्ययन कर लिया था। 10 वर्ष की आयु में फारसी पढ़ने के लिये मौलबी के पास मस्जिद में भेजा गया। वहाँ के मुसलमान छात्र हिन्दू बालकों तथा हिन्दू देवी-देवताओं को अपशब्द कहते थे। बालक हकीकत उन सब के कुतर्को का प्रतिवाद करता और उन मुस्लिम छात्रों को वाद-विवाद में पराजित कर देता। एक दिन मौलवी की अनुपस्थिति में मुस्लिम छात्रों ने हकीकत राय को खूब मारा पीटा। बाद में मौलवी के आने पर उन्होंने हकीकत की शिकायत कर दी कि इसने बीबी फातिमा को गाली दी है। यह सुनकर मौलवी बहुत नाराज हुए और हकीकत राय को शहर के काजी के सामने प्रस्तुत किया। बालक के परिजनों के द्वारा सही बात बताने के बाद भी काजी ने एक न सुनी और निर्णय सुनाया कि शरियत के अनुसार बालक मुसलमान बन जाये वरना इसके लिये मृत्युदण्ड है। वह बालक अपने निश्चय पर अडिग रहा और 1734 में बसंत पंचमी को जल्लादों ने उसे फांसी दे दी।

1947 में भारत के विभाजन से पहले, हिन्दू बसंत पंचमी उत्सव पर लाहौर स्थित उनकी समाधि पर इकट्ठा होते थे। विभाजन के बाद उनकी एक और समाधि होशियार पुर जिला के "ब्योली के बाबा भंडारी" में बनाई गई। यहाँ बसंत पंचमी के दौरान लोग इकट्ठा होकर वीर हकीकत राय को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

## विनायक दामोदर सावरकर

**(जन्म: 28 मई 1883 - मृत्यु: 26 फरवरी 1966)**

विनायक दामोदर सावरकर भारत के महान क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, इतिहासकार, राष्ट्रवादी नेता तथा विचारक थे। उन्हें प्रायः स्वातन्त्र्य वीर सावरकर के नाम से सम्बोधित किया जाता है। ब्रिटिश हुकूमत उनके नाम से ही डरती थी और उनकी गिरफ्तारी के बाद उन्हें दो बार काले पानी की सजा दी गई। हिन्दू राष्ट्रवाद की राजनीतिक विचारधारा ('हिन्दुत्व') को विकसित करने का बहुत बड़ा श्रेय सावरकर को जाता है। वे एक वकील, राजनीतिज्ञ, कवि, लेखक और नाटककार भी थे। आजादी के बाद उन्होंने परिवर्तित हिन्दुओं को हिन्दू धर्म में वापस लौटाने हेतु सतत प्रयास किये एवं इसके लिए आन्दोलन भी चलाये।

## सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

**(जन्म 21 फरवरी, 1899 - निधन 15 अक्टूबर, 1961)**

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला हिन्दी कविता के छायावादी युगके चार प्रमुख स्तंभोंमें से एक माने जाते हैं।उन्होंने कई कहानियाँ, उपन्यास और निबंध भी लिखे हैं किन्तु उनकी ख्याति विशेषरुप से कविता के कारण ही है।

निराला की शिक्षा हाई स्कूल तक हुई। बाद में हिन्दी संस्कृत और बंगला भाषा का स्वतंत्र अध्ययन किया। उन्होंने दलित-शोषित किसान के साथ हमदर्दी का संस्कार अपने अबोध मन से ही अर्जित किया।

उनका सारा जीवन आर्थिक-संघर्ष में बीता। निराला के जीवन की सबसे विशेष बात यह है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने सिद्धांत त्यागकर समझौते का रास्ता नहीं अपनाया, संघर्ष का साहस नहीं गंवाया। जीवन का उत्तरार्ध इलाहाबाद में बीता और वहीं दारागंज में 15 अक्टूबर 1961 को उन्होंने अंतिम साँस ली।

# विभिन्न विश्राम सदनों में जनवरी - 2022 की उपस्थिति

| क्र.स. | राज्य/देश | माधव सेवा आश्रम, लखनऊ | KGMU, लखनऊ | विश्राम सदन, दिल्ली | IGIMS, पटना | एम्स, झज्जर |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | जम्मू कश्मीर | | | 2 | | 3 |
| 2 | हिमाचल प्रदेश | | | | | |
| 3 | पंजाब | | | | | |
| 4 | हरियाणा | | | 4 | | 83 |
| 5 | दिल्ली | 11 | | 7 | 6 | 40 |
| 6 | उत्तराखंड | 2 | | 2 | | 5 |
| 7 | उत्तर प्रदेश | 1775 | 756 | 128 | 3 | 69 |
| 8 | बिहार | 630 | 36 | 119 | 1128 | 23 |
| 9 | झारखण्ड | 79 | 4 | 14 | 26 | |
| 10 | सिक्किम | | | | | 1 |
| 11 | नागालैंड | | | | | 1 |
| 12 | असम | | | | | 1 |
| 13 | मणिपुर /मिजोरम | | | | | |
| 14 | अरुणाचल प्रदेश | | | | | 1 |
| 15 | त्रिपुरा | | | | | |
| 16 | मेघालय | | | | | |
| 17 | प. बंगाल | 13 | | 5 | 13 | 2 |
| 18 | ओडिशा/अंदमान | 9 | | 2 | | |
| 19 | आंध्रप्रदेश/तेलंगाना | 6 | | | 4 | |
| 20 | तमिलनाडु /पुदुच्चेरी | | | | | |
| 21 | कर्नाटक | | | | | |
| 22 | केरल | | | | | |
| 23 | महाराष्ट्र /गोवा | 7 | 2 | | | |
| 24 | मध्य प्रदेश | 60 | | 43 | | 12 |
| 25 | छत्तीसगढ़ | 6 | | | | |
| 26 | गुजरात | | | 19 | | 8 |
| 27 | राजस्थान | | | | | |
| 28 | अन्य | 10 | | | | |
| | **पड़ोसी देश** | | | | | |
| 29 | नेपाल | 2 | | 12 | 2 | |
| 30 | बांग्लादेश | | | | | |
| 31 | अन्य देश | | | | | |
| | **योग (इस मास)** | **2609** | **798** | **357** | **1178** | **248** |
| | **योग (अप्रैल 21-जनवरी 22)** | **20827** | **5882** | **3576** | **9597** | **1248** |
| | **एक दिन की औसत उपस्थिति** | **325** | **116** | **149** | **117** | **148** |

## स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प - लखनऊ

### लखनऊ और उसके आस पास दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का विवरण

| सेवा बस्ती में स्वास्थ्य केन्द्र | जनवरी | योग अप्रैल 21 - जनवरी 22 |
|---|---|---|
| (सेवा समर्पण संस्थान - बिन्दौवा) | 201 | 1174 |
| (51 शक्तिपीठ, बक्शी का तालाब) | 32 | 166 |
| अम्बेडकर नगर | 28 | 216 |
| माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केन्द्र, निराला नगर | | |
| एलोपेथिक | 388 | 2560 |
| होम्योपैथिक | 276 | 2302 |
| रूग्ण सेवा केन्द्र, माधव सेवा आश्रम - होम्योपैथ | 184 | 2068 |
| **कुल लाभान्वित रोगी** | **1109** | **8486** |

## देवड़े नेत्र चिकित्सालय

### चिकित्सालय में दी गई सेवाएँ

| | जनवरी | योग अप्रैल 21 - जनवरी 22 |
|---|---|---|
| नेत्र परीक्षण | 502 | 3518 |
| चश्मा वितरण | 239 | 2209 |
| मोतियाबिंद ऑपरेशन | 50 | 94 |
| पैथोलॉजी | 52 | 176 |

**आलोक : नेत्र एवं पैथोलॉजी जांच केवल 20 रूपए के पंजीकरण शुल्क में उपलब्ध है।**

**आप भी लिखें :- सेवा संवाद के आप सुधी पाठक हैं, आपके विचार, सुझाव हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी रहे हैं। सेवा सम्बन्धी आलेख (चित्र सहित), सेवा के प्रेरक प्रसंग, सेवा कार्य के उल्लेखनीय व्यक्तित्व, सेवा संस्थानों का परिचय एवं उनके कार्य, सेवा को प्रोत्साहित करने वाली घटनाएं सुझाव आदि सामग्री तथा सेवा संवाद के प्रकाशित अंकों पर आप अपनी प्रतिक्रिया प्रेषित कर हमारा मार्गदर्शन, सहयोग करने का कष्ट करें- सम्पादक।**

## भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प

| प्रकल्प का नाम | सम्पर्क सूत्र | दूरभाष |
|---|---|---|
| स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ | श्री ओ.पी. श्रीवास्तव | 9839785395 |
| माधव सेवा आश्रम, लखनऊ | श्री शरद जैन | 9670077777 |
| महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ | श्री रंजीव तिवारी | 9731525522 |
| महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ | श्रीमती अर्चना दीक्षित | 9821483861 |
| सामाजिक विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ | डॉ हरमेश चौहान | 9450930087 |
| विश्राम सदन, के.जी.एम.यू., लखनऊ | श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल | 9415003111 |
| देवड़े नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ | श्री राजेश | 9793120738 |
| सेवा संवाद (मासिक), लखनऊ | डॉ शिवभूषण त्रिपाठी | 9451176775 |
| सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक), लखनऊ | डॉ विजय कर्ण | 8887671004 |
| विश्राम सदन, एम्स, दिल्ली | श्री राजीव गुगलानी | 9810262200 |
| अक्षय सेवा, दिल्ली | श्री रामअवतार किला | 9811052464 |
| समर्थ भारत, दिल्ली | श्री शोनाल गुप्ता | 9811190016 |
| भारतीय संस्कृति अध्ययन केन्द्र, दिल्ली | श्री गौरव गर्ग | 9918532007 |
| विश्राम सदन, आई.जी.आई.एम.एस., पटना | श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह | 9431114457 |
| विश्राम सदन, एम्स, झज्जर (हरियाणा) | श्री विकास कपूर | 9818098600 |